
FOLK STUDIO
SERIES...
ANUP SHRIVASTAVA

Anup Shrivastava

For me, drawing is the first and foremost important thing in my creative process. Drawing continuously, I contemplate about transforming them in paintings. When I draw, I start imagining how I would place it on the canvas? I don't have to follow somebody's work; instead I paint. During this act of drawing abstract thought starts appearing in concrete. Being surrounded by tribal region of western Madhya Pradesh its impressions are always in my memory, which inspires me to paint. I have tried to paint this very environ and images within it. I always try to find my forms during my traveling. The forms in my paintings are memories of my surroundings which is always there at the back of my mind. I still remember my first drawing that I did with pencil after finishing it I have been thinking that drawings gives you clarity for your painting. I would always want to draw, on large surface. I would like to do my drawings on all kinds of backgrounds. Looking at the profile form of figures in my works I feel positively energetic. When I am in front of my work, I think about its impressions rather than searching something in it, I try to express through the image. For me, painting is not about putting a landscape as it is, but transforming it in a form with imagination that brings the essence of that landscape with new meanings.

While looking at a painting you feel attractive towards its form. My effort is to maintain the right composition of color and lines, this composition makes my painting complete, line with color guide me. When I draw I try to explore all elements necessary for my painting. I feel that act of painting is reaching to the new horizon from previous one, which reveals itself in new forms. You are ahead from the previous work each time. This previous painting might be an old work but its new for current time and when I create something new, I get this feelingthat it could have been better.

Once, for a while I was not painting for some reason, that time I kept watching one of my painting for many days, then I felt that I can create the same painting in many different ways. Possibility of creation is endless.

The debate of Representational or abstract also depends on our seeing. Looking at the works of abstract artists of my liking I have always had newer realizations. I do not know how, they might have painted their paintings? How they incorporated colors? Still their paintings always bring something new for me. I feel that the abstraction is the most challenging way of painting, where you can engage yourself variously. My Alma Mater Dhar College has had tradition of decorative style; artists like D. J. Joshi have been influential here. The Indore school where I did my masters has been a stronghold for abstraction. I have been highly influenced by abstraction of Ambadas and his way of using colors.

As Raza used to say that whatever comes within you in the beginning remains with you permanently. Raza's colors always inspired me. Rootedness, peace and energy of colors of his paintings can be felt every time. His way of expressing himself with colors was different from everyone. In my opinion he not only painted with colors but his soul too. My teachers used to tell me and I have also felt that region Malwa has a great affinity with color, I see the presence of colors in my paintings as the presence of nature. You can see yellow or any color in nature in various forms. When you see colors in nature each it is a new experience, new realization. I feel inspired seeing these colors. Or should I say that nature inspires me to paint.

Painting for me is like celebration that has energy and passion. And when I participate in this celebration, I envisage the passion and color in it. When you surrender, you become one with it.

मेरे लिए मेरी सृजन प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण रेखांकन है। लगातार रेखांकन करते हुए उन्हें चित्रों में परिवर्तित करने पर विचार करता हूं। जब रेखांकन करता हूं तब यह कल्पना होती कि इसको फलक पर कैसे चित्रित करूंगा? मुझे किसी की तरह काम नहीं करना है, सिर्फ अपनी ही तरह काम करना है। यहां से एक विचार अमूर्त से मूर्त की तरह प्रकट होने लगता है। मेरा परिवेश जो कि पश्चिमी मध्य प्रदेश का आदिवासी अंचल का है, मेरी स्मृति में लगातार मौजूद रहता है। इसी से मुझे चित्रण की प्रेरणा मिलती है। मैंने इसी परिवेश को और उसमें मौजूद आकृतियों को चित्रित करने का प्रयास किया है। अपने अंचल की सूदूर यात्राओं से मैं अपने रूपाकारों को खोजने का प्रयास मैं निरंतर करता हूं। मेरे चित्रों में मौजूद रूपाकार मेरे परिवेश की स्मृति है जो मेरी विचार प्रक्रिया में स्थाई रूप से मौजूद रहती है। मेरे लिए मेरा परिवेश ही मेरे चित्र है।

चित्रकला की अकादमिक शिक्षा के भी कुछ पहले से मैं रेखांकन का अभ्यास करता रहा हूं। आदिवासी और लोक की स्थानीयता ने ही मुझे रेखांकन के प्रति आकृष्ट किया। मुझे अपना पहला रेखांकन याद है जो मैंने पेंसिल से किया था। उसको करने के बाद मुझे यह लगता रहा कि रेखांकन आपको चित्रों के प्रति स्पष्ट कर देते है। मैं हमेशा रेखांकन करना चाहूंगा, वृहद स्तर पर। हर तरह की पृष्ठभूमि पर अपने रेखांकनों को देखना चाहता हूं। मेरे चित्रों के एक चश्म रूपाकार रेखांकन का एक ऐसा स्वरूप है जिन्हे देखता हुए मैं सकारात्मक ऊर्जा महसूस करता हूं।

जब मैं अपने चित्र के सामने होता हूं तो उसमें कुछ खोजने के बजाए उसके प्रभावों के विषय में सोचता हूं। दृश्य में व्यक्त करने का प्रयास करता हूं। मेरे लिए चित्र बनाना किसी भूदृश्य को जस का तस रखना नहीं हैं, बल्कि अपनी दृष्टि और कल्पना से एक ऐसे रूप में परिवर्तित करना है जिससे उस भूदृश्य की स्मृति या मौजूदगी नए अर्थ में खुलती हो। चित्र को देखते हुए यह अनुभूति होती है कि उसका स्वरूप आकर्षक है। रंग और रेखाओं का सही ढंग से संयोजन करना ही मेरे लिए चित्र का प्रमुख आधार हो मेरी कोशिश यही रहती है। यही संयोजन मेरे चित्र को पूरा करता है। रंगों के साथ रेखाएं मुझे दिशा देती है। जब मैं रेखांकन करता हूं तो उसमे उन सभी तत्वों को ढूंढने का प्रयास करता हूं जो मेरे चित्र के लिए अनिवार्य हो सकतें हैं।

मुझे लगता है चित्रकर्म एक से दूसरे चित्र तक पहुंचने का सिलसिला है जो अपने को नए रूपों में प्रकट करता है। हर बार आप पिछले चित्र से आगे होते है। वह पिछला चित्र हो सकता है कई साल पुराना हो। जो तात्कालिक समय में बहुत नया होता है और जब मैं कुछ नया रचता हूं तो लगातार मुझे इस बात का अहसास होता है कि यह और बेहतर हो सकता है। एक बार किसी कारण से मैं कुछ समय के लिए चित्रकर्म से दूर रहा तब मैं अपने एक चित्र को कई दिनों तक लगातार देखता रहा उस चित्र को देखते हुए मुझे यह अनुभूत हुआ कि मैं इस एक चित्र को कई तरह से बना सकता हूं। रचने की क्रिया ही अंतहीन है।

मूर्त और अमूर्त की बहस भी हमारे देखने पर ही निर्भर करती है। मेरे अपने पसंदीदा अमूर्त शैली के चित्रकार के चित्रों को देखकर मुझे हमेशा नई अनुभूतियाँ होती रही है। मुझे नहीं मालूम कि उन्होंने चित्रों को कैसे चित्रित किया होगा? किस तरह से रंगों को अपने चित्रों में शामिल किया होगा? मेरे लिए उनके चित्र हमेशा नयापन लिए हुए होते है। शायद यही नयापन मेरे देखने को व मेरी दृष्टि को उत्तरोत्तर विकसित करता है। मुझे लगता है कि सबसे ज्यादा चुनौतियों से भरा चित्रण अमूर्त चित्रण होता है। जिसमें आप खुद को कितनी ही तरह से बरत सकते है। धार स्कूल ऑफ आर्ट्स की परंपरा अलंकरण की ज्यादा रही है, देवकृष्ण जटाशंकर जोशी जैसे चित्रकारों का गहरा प्रभाव यहां रहा है। मैंने अपनी मास्टर्स की डिग्री इंदौर स्कूल ऑफ आर्ट्स से ली है जो मेरी नजर में अमूर्तन का गढ़ रहा है। अंबादास के अमूर्तन और उनके रंगों को बरतने के तरीके से मैं बेहद प्रभावित रहा हूं।

जैसा कि सैयद हैदर रजा कहते थे कि आपके अंदर शुरुआती दौर से जो बस जाता है वह आपके साथ स्थाई ढंग से रहता है। फिर चाहे वह रंगों की बात हो या रूपाकरों की। मेरे शिक्षक बताते थे और मैंने भी यह अनुभव किया है कि मालवा में रंगों का जबरदस्त प्रवाह है, मुझे भी लगता है कि मेरे रंग इसी आंचलिक पृष्ठभूमि के है। मेरे चित्रों में रंगों की मौजूदगी को प्रकृति की मौजूदगी की तरह देखता हूं। प्रकृति में मौजूद पीला या कोई भी रंग आपको कितने भिन्न स्वरूपों में दिखाई देता है। हर बार नया अनुभव, नया अहसास। इन्ही रंगों को देखकर मैं प्रेरित होता हूं। यां यूं कहे कि प्रकृति ही मुझे प्रेरित करती है।

मेरे लिए मेरे चित्र एक उत्सव है। उस उत्सव में रंग है, ऊर्जा है, उत्साह है। और जब मैं इस उत्सव में शामिल होता हूं तो इन सब बातों को महसूस करता हूं। उस उत्साह को उसमें शामिल रंगों के साथ। जब आप इसमें समाहित होते है तब आप इसका एक हिस्सा बन जाते है।

WRITE UP

Light descending from the stage, beautifully dressed folk artists singing their songs, the music, the decoration and the musical instruments are together the inspiration for my series, Folk Studio.

I imagine the folk songs I grew up listening to during festivals and other celebrations and stages of Mandu where I saw numerous tribal performances and also some programs on the television, which are a mix of traditional and modern music.



The series of works entitled 'Folk Studio' were part of my solo at Alliance Française de Bhopal.
From 10 Sept. 2018 to 22 Sept. 2018



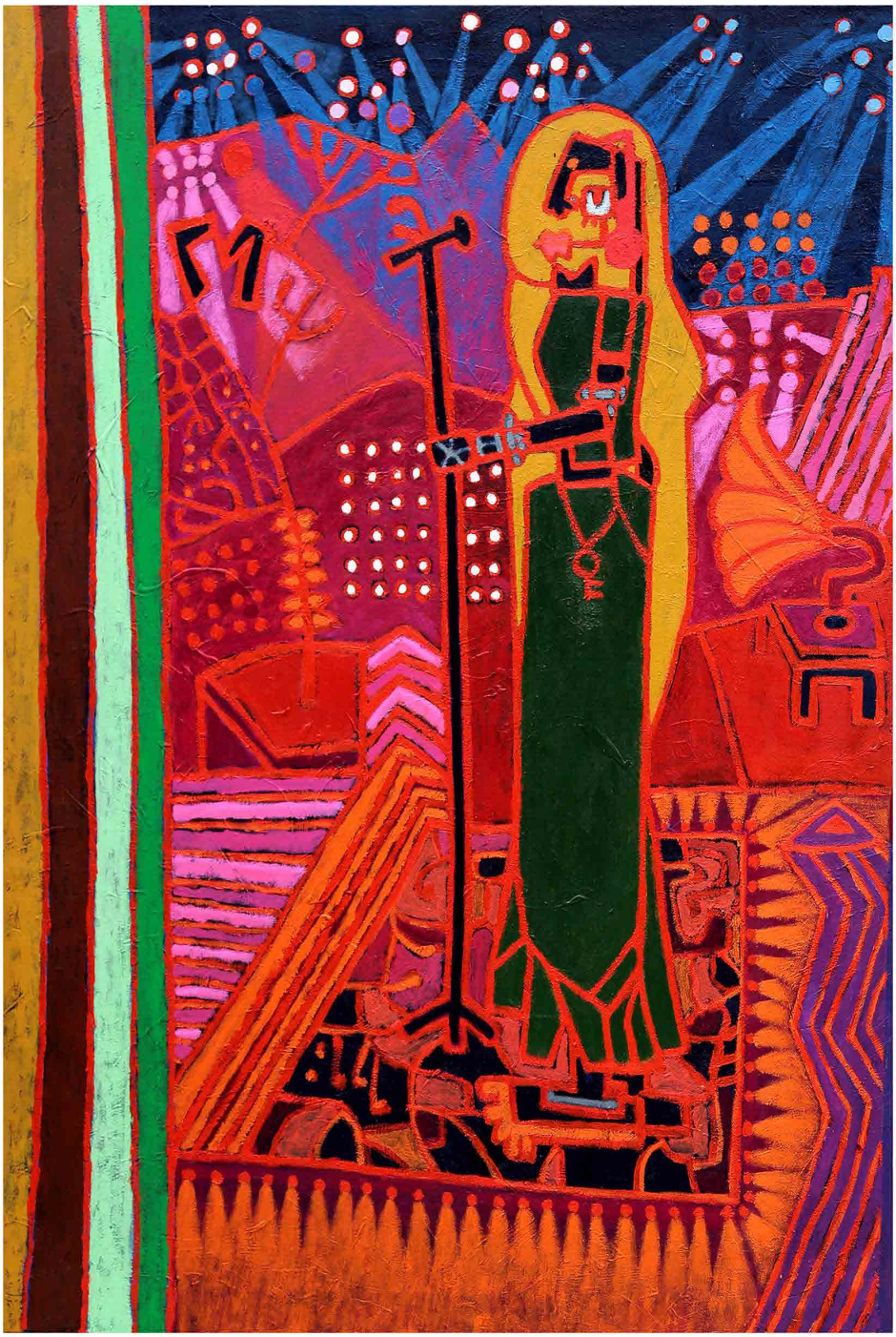
FOLK STUDIO - 1 12" X 12" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



FOLK STUDIO - 2 12" X 12" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



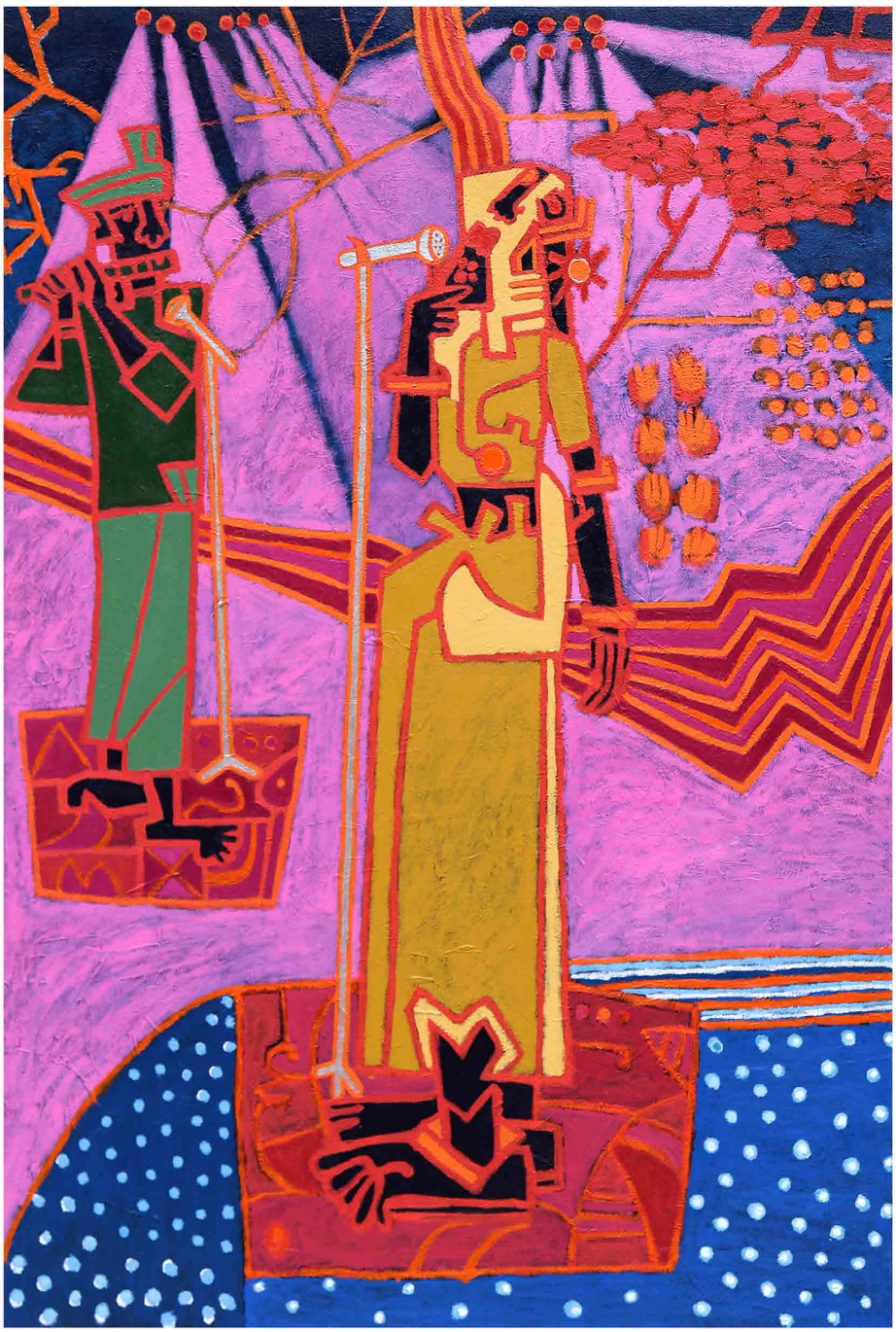
FOLK STUDIO - 3 30" X 42" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



FOLK STUDIO - 4 30" X 42" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



FOLK STUDIO - 5 30" X 42" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



FOLK STUDIO - 6 30" X 42" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



FOLK STUDIO - 7 30" X 42" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



FOLK STUDIO - 8 30" X 42" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



FOLK STUDIO - 9 30" X 42" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



FOLK STUDIO - 10 36" X 48" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2018



FOLK STUDIO - 11 36" X 48" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2018



FOLK STUDIO - 12 36" X 48" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



FOLK STUDIO - 13 36" X 60" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2018



FOLK STUDIO - 14 36" X 60" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2018



FOLK STUDIO - 15 48" X 48" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2018



FOLK STUDIO - 16 48" X 48" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2018



FOLK STUDIO - 17 72" X 72" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2018



FOLK STUDIO - 18 72" X 72" ACRYLIC ON CANVAS

ANUP SHRIVASTAVA 2017



FOLK STUDIO - 19 60" X 144" ACRYLIC ON CANVAS
ANUP SHRIVASTAVA 2018



ANUP SHRIVASTAVA

Born: 09th Jan 1985 Dhar (Madhya Pradesh)

Education:

M.F.A. Final, Govt. Fine Art College, Indore (M.P.) Year	2009
B.F.A. Govt. Fine Art College, Dhar (M.P.) Year	2008
Govt. of Maharashtra Drawing Examination	2004

Solo Show:

"Jungal mela" Rupabh Bharat Bhavan. Bhopal	2015
"Niranter yatra" Reflections Art Gallery Indore	2014
"Adi-Anadi" Chtree Art Gallery, Dhar	2014
"Adi-Anadi" Alliancasise de, Bhopal	2014
"Body and Brush" Bhoj Club Dhar	2013
"Vanvasi Jeevan" Kukshi inaugurate by:	2010

Chief Minister Mr. Shivraj Singh Chouhan (M.P.)

Two Man Show:

"Udaan" ,Bhoj Kala Dirga, Dhar	2012

(With Durgesh Birthare)

Fellowship:

Junior Fellow Ship	2013- 14
Triveni Museum Ujjain	2015

Participate:

1st All India Art Compitition & Exhibition,2018.State Gallery Of Art, Hyderabad	2018
''Madhya ma'' Raza Utsav Triveni Art Galleries, New Delhi	2018
"Art 35" Third edition, Nine fish, Mumbai	2018
Shanghai International Contemporary Art exchange Exhibition, China	2017
International Art Switch, Yogyakarta, Indonesia	2017
"Raagmala" Canary's National Art Foundation, Indore	2017
"Contemporary chronicles" Aura & Gallery Art Tree, Raipur	2017
International art mart, Khajuraho,	2017
India art festival, New Delhi	2017
"Art 35" Second edition, Nine fish, Mumbai	2017
"Safar" Canarys national art foundation, Indore	2017
"Helical Spring art group show,Jaipur	2016
I Am The Magic Hand, Varodra	2016
"Almost Blue" Canarys national art foundation, Indore	2016
International Art Camp 2016.Solo, Indonesia	2016
"DIVERSITY"Sachee art gallery, Nagpur	2016
Beginning of new "ART ERA" Canarys national art foundation. Indore	2016
"International ART MART" International , Khajuraho	2016
"Rang Amir" Art Exhibition, Indore	2016
29th Asoropa International Art Exhibition in Yegip Museum, Korea	2015
"Vishwas"Neharu Art Gallery, Civic Center Bhilai (C.G)	2015
Madhya Pradesh "Roopankan", Art Exhibition Khajuraho	2015
"Art mart" Khajuraho	2015
Making Art Is Journey Indore	2014
"Mandu Utsav" Government Art Exhibition, Indore & Mandu	2014

Sasaran International Art Festival, Malaysia	2014
Indore Art meet	2014
“ICCA” Art Exhibition Mumbai	2014
“Kshitij” Art Exhibition Lalit Kala Academy, Lucknow	2014
“Sam-Visham” Art Exhibition, Deolalikar Kala Vithika, Indore	2014
“Art Mart”, Khajuraho	2014
Madhy Pradesh Roopankan, Art Exhibition Khajuraho	2014
“Vistar” Art Exhibition, Deolalikar Kala Vithika, Indore	2014
“Art Mart”, Khajuraho	2013
“Prakatan”Art Exhibition, Deolalikar Kala Vithika, Indore	2012
“Udaan” Art Exhibition, Dhar	2012
“Rang Sharad”, Indore	2010
“Dus Kadam” Allince Francaise, de, Bhopal	2010
“Road Show” For Art, Dhar	2010
“Prayatn” Art Exhibition, Dhar	2010
Contemporary Art Exhibition C.K.P. Banglore	2010
“Triveni” manav sanket,Ujjain	2010
“ Nano” Daira Centre Hydrabad	2010
“1x1” Art Exhibition, Deolalikar Indore	2010
“Rang Vistar”Matratav, Indore	2009
“Razz” Art Exhibition, Gwalior	2009
“Arambh” Art Exhibition, Deolalikar, Indore	2009
“Das Kadam” Alliance Francaise,Bhopal	2009
“Mandu Utsav”, Mandu	2007-2008
“Sanskar Bharti”, Dhar, Indore, Ujjain	2005-2007
Group Show at Madhya Pradesh	2004

Camp:

Shanghai International Contemporary Art exchange Workshop, China	2017
KKB International Art Camp, Malaysia	2016
Solo International Art Camp, Indonesia	2016
Sasaran International Art Festival, Malaysia	2014
Indore Art meets, Indore	2014
"Mandu Utsav" Gover Ment Art Camp, Mandu	2014
Mandu Art Camp, Manudu	2014
Prakatan Art Camp, Indore	2013
Prakatan Art Camp, Indore	2012
Megh Malhar, Indore Beat, Truba Collage, Indore	2010
Prayatna Camp, Dhar	2010
M.P.K Kala Academy, Bhopal	2009
Mandu Camp, Mandu	2009
Indira kala Sangit Vishwvidhyala Khairagarh at Dhar	2008
Spirit of India Camp, Bombay	2007
National Art Camp, Indore	2006
11th International Art Festival Kalavart Nyas, Ujjain	2006
Bharat Bhavan Camp, Bhopal	2006
Fusion Print Making Camp, Indore	2005
Sanskar Bharti, Dhar	2005

Coordinator:

International Art Mart 20 Country	2017
International Art Mart 12 Country	2016

Collection:

Shanghai International Art Festival , China	2017
Solo International Art Festival , Indonesia	2016
29th Asoropa, Yegip Museum, Korea	2015
Bharat Bhavan, Bhopal (M.P)	2015
KKB International Art Festival,Malaysia	2015
Sasaran International Art Festival, Malaysia	2014
Alliancasise de, Bhopal (M.P)	2014

Address:

S/o Shri Praveen Kumar Shrivastava
E-137 Veer Savarkar Nager, Dhar
District Dhar (Madhya Pradesh) 454001
Contact Number - +91-99260-51530
E-Mail ID: - artofanup@gmail.com


PHOTOGRAPHY : NANDISH KELWA
ART DIRECTION : ISHIT BAWANIYA
DESIGNING : UNMESH TRIPATHI